१३ से २० मार्च, २०१६, **हरिहरानन्द गुरुकुल-पुरी**, शाकाहार, पंचकुल सम्मेलन की रिपोर्ट

१३ मार्च शाम **'कामधेनु यज्ञ'** से **'शाकाहार वातावरण निर्माण साधक संघ'** और **'पंचकुल संघ'** के पहले अधिवेशन का शुभारम्भ हुआ। १४ से १९ मार्च गौशाला जाकर **"गौसेवा"** और **कंडा निर्माण** से दिन की शुरुआत होती। नास्ते के बाद १० से ११ गांधी-विनोबा की प्रतिमूर्ति, मुम्बई के देवनार पर ३३ वर्ष ५१ दिनों तक सत्याग्रह कर **महाराष्ट्र में सफलता पाने वाले**, दिल्ली में **३० जनवरी से अनिश्चितकालीन सत्याग्रह** शुरू करने वाले, भारत के श्रेष्ठतम संत **अन्ना साहब जाधब** का **"ईशोपनिषद"** पर प्रवचन होता था। ११ से १ पहला और ४ से ६ दूसरा सत्र होता। शाम की चाय के बाद ६.३० से ८ **'गौकथा'** होती। सुबह और रात सबको अपनी अपनी **साधना** करने का भी सुअवसर प्राप्त था। २० मार्च को सुबह १० से पुनः "**कामधेनु यज्ञ**" से सम्मेलन पूर्ण हुआ। गौघृत का अखण्ड दीपक चेतन रहा।

१४ मार्च के सत्र की अध्यक्षता, पुरी के समाजसेवी **मनु भाई** ने की। आपने अब तक हजारों पेड़ लगवाए हैं। आप ६ महीने काम करते हैं और बा की ६ महीने देश के गाँवों में भ्रमण कर किसानो की समृद्धि का उपाय बताते हैं। आपने सभी को एक एक नोट बुक दी। १४ मार्च के दूसरे सत्र की अध्यक्षता कानपूर से पधारे तुलसी अर्क के आविष्कारक **श्री रामेश्वर कुशवाहा** ने की। सबको **तुलसी अर्क** और **तुलसी चाय** पिलवायी + तुलसी पत्ते की पैकट भेंट में दी। आपका मानना है कि घर में जितने व्यक्ति रहते हैं, उतने तुलसी के पौधे होने चाहिये। अन्ना और सुदर्शन को बुखार + खांसी थी। तुलसी अर्क ने दोनों को स्वस्थ बनाया। ममता देवी, प्रमिला देवी, ललिता डोकानिया और अंजु हलदर ने स्वागत गीत गाया। हर सत्र की शुरुआत भजन, कीर्तन, गीत, कविता, हनुमान चालीसा या प्रार्थना से होती। दिन का समापन गौमाता की आरती से होता। **कामधेनु विश्व विद्यापीठ** से सन्नद्ध **ऋषि मुनि गोकुल गुरुकुल**, राउरकेला के छात्र, तीन समय नाश्ते, दोपहर के भोजन, शाम के भोजन के पहले **"बलिवैश्वदेव हवन"** करवाते और समय सारिणी का पालन करते+ कराते। गुरुकुल के बच्चो और आचार्यों द्वारा बीच बीच में भजन, कीर्तन, विश्व गीत - "**नई सदी का शंख बज गया, अपना फर्ज निभाना है, गौपालन-संवर्धन कर उन्नत राष्ट्र बनाना है**" का सामूहिक गान हुआ। **"राम-राज्य"** विषय पर भी चर्चा हुई। संतो से प्रार्थना की जाये कि वे गौभक्त प्रत्याशी दें। **"बकरीद पर गौरक्षा"** विषय पर भी चर्चा हुई। श्री महेंद्र हंस ने सभी सांसदों, और संतो को पत्र देने का कार्य करने का जिम्मा लिया। हरिनाम सिंह ने गुरुवंदना की।

हरिहरानन्द गुरुकुल रूपी **क्रियायोग** के अंतराष्ट्रीय केंद्र के प्रधान **श्री प्रज्ञानानन्दजी महाराज** का उद्बोधन हुआ। आप उड़ीसा में घूम घूम कर गाँवों में गौरक्षा का प्रचार कर रहें हैं। संत सुदामा भारती ने प्रज्ञानानन्दजी से चुनावों में सक्रिय होने+ प्रत्याशी देने की प्रार्थना की। **निरंजन जी महाराज** के शिष्य **रजनीकांतजी** ने विडिओ दिखाते हुए **शाकाहार** पर सशक्त वक्तव्य रखा। भुवनेश्वर के वयोवृद्ध प्राकृतिक चिकित्सक **श्री गुरुचरण जेना** ने प्राकृतिक जीवन शैली और शाकाहार से रोगें निवारण पर वक्तव्य रखा। इसीप्रकार अजमेर राजस्थान से पधारे, सम्पूर्ण क्रांति के प्रमुख विचारक **पं.रामस्वरूप** और सभी गौशालाओं की "**गौछत्र सामाज्य यात्रा**" द्वारा **राम-राज्य** लाने के संकल्पवान, हैदराबाद के **रुद्रगुप्त पादाचार्यजी** ने शिविर के चिंतनीय बिन्दुओं पर अपने विचार रखे। हरिहरानन्द गुरुकुल के **स्वामी कृष्णानंद जी** ने बताया कैसे वे लोग गौरक्षा का प्रचार कर रहें हैं और **पं. रामस्वरूप** के वक्तव्य से प्रभावित हो कर उन्होंने हरिहरानन्द गुरुकुल में **पचकुल** की स्थापना करने की घोषणा की। झाँसी के पास के गाँव से पधारे **संत दयाशंकर जी** ने भी अपनी गौशाला में **पंचकुल** खोलने की इच्छा व्यक्त की। हरिहरानन्द गुरुकुल के **स्वामी समर्पणानन्द जी** महाराज ने **क्रिया योग** के बारे में बहुत ही सरल भाषा में समझाया। **नरेंद्र शर्मा** ने "**संकट में आज है हमारी गौ माँ**" गीत प्रस्तुत किया। **योगेन्द्र मिश्रा** ने गणेश वंदना और **"अभय दान का दान बंट रहा, लेना हो ले जाये, दीनानाथ का द्वारा खुला है,आना हो आ जाये"** - गाया। **ताराकांत** - " तू राम है, रहीम है, करीम है" गाया। हरिहरानन्द गुरुकुल की अनुकरणीय विशेषता - यहां चाय पत्ती और चीनी का प्रवेश निषेध है। अतः आयुर्वेदिक/तुलसी चाय और गुड़ से सुबह शाम चाय बनती। दूसरी विषेशता सुबह प्रसाद पाने के पहले गीता के १५ वें अध्याय=पुरुषोत्तम योग का और शाम को महामृत्युंजय मन्त्र का सामूहिक उच्चारण होता। कंडे बनाने का भौतिक प्रशिक्षण और मंजन, अंगराग, खाद, कीटनाशक, नवग्रह धूप आदि बनाने का मौखिक प्रशिक्षण विभिन्न अनुभवी लोगों और मध्यप्रदेश के **संत सुदामा भारती** ने काव्य में दिया। सभी प्रतिभागियों को **प्रमाण-पत्र** दिया गया।

चर्चा के विषय और उपस्थित प्रतिभागियों की राय -- शाकाहार -

१. सम्प्रदायों/सद्गुरुओं के नाम - जिनके अनुयायी करोड़ों में हैं - शैव, वैष्णव, शाक्त , बौद्ध, जैन, सिक्ख, लिंगायत, गाणपत्य, तिरुकुल, अति अल्पसंख्यक ३०० संप्रदाय है जिनके अनुयायी लाखों में हैं- कबीर पंथी, चैतन्य महाप्रभु, आदि संतो के अनुयायी। स्वामी दिव्यानंद - कबीर पंथी, बोडोदा, अनुकूल ठाकुर-देवघर, वारकरी संप्रदाय-पंढरपुर, वैष्णव संप्रदाय-नारायण चन्द्रजी-वीरभूम, आर्य-समाज, महर्षि मेही आश्रम, गुरूजी भागलपुर, महर्षि आंजनेश-सासाराम, गायत्री परिवार-प्रणव पंड्या, गायत्री तपोवन गंगा सिंह-अशोक सिंह; स्वामी अड़गड़ानंदजी - मिर्जापुर, अवधूत बाबा, भगवान राम-बनारस। स्वामी अवधेशानंद-अम्बाला, अकालतख्त, निरंकारी मिशन, नमली कुटिया-मुजफ्फरपुर, श्री अरविन्द आश्रम, शंकराचार्य माधवाश्रमजी-दिल्ली, राघवाचार्यजी-रैवासा धाम, निश्चलानंदजी-पुरी , जैन संत-महाश्रमण; कुरुक्षेत्र, ब्रज, हरिद्वार, ऋषिकेश, चित्रकूट, प्रयाग, अमरकंटक, नासिक, दक्षिण भारत के संत और आश्रम। राम स्नेही संप्रदाय-महंत हरिनारायण-मेढ़ता। जीयर स्वामी-हैदराबाद, दादूदयाल संप्रदाय-गुजरात - गोपालदासजी; दूधेश्वर-मठ - नारायणगिरिजी, दसनाम जून अखाडा, गाजियाबाद, आदि सभी अखाड़े, संत हरिगिरी-उत्तर प्रदेश, परशुराम गिरी-हरिद्वार, विश्वात्म पुरीजी, शंकराचार्य चौक, हरिद्वार, रामदेव बाबा, गिरनारी बापू- नागेश्वर गिरी, आजोड़ मठ - गांधीनगर, दत्तशरणानंदजी महाराज, जगदीशपुरीजी डूंगरपुर चौकं, ८ ब्रह्मा के मंदिर, गोविंदानंद तीर्थ वृंदावन, गुरूजी, ऋषिकेश, सत्यसाईं बाबा-पुत्पर्ति, नागा बाबा-माठ, संत रविदास मठ-धापा, रामकृष्ण मिशन, भारत सेवाश्रम संघ, ज्ञानदासजी, कपिल मुनि मंदिर-गंगासागर, ओडिसा गौसेवा समिति, A /१४१ शहीद नगर भुवनेश्वर, ९४३९२७३२४७, odishagoseva@gmail.com, मौनी बाबा-पंजाब, जयगुरुदेव-उज्जैन, मथुरा, राजेंद्रदासजी वृन्दावन, शिवानंदजी-मुंगेर, सत्यानन्दजी, मानव सेवा संघ, बालकदासजी-जयपुर, सतपाल महाराज-देहरादून, डिवाइन लाइफ, आशाराम बापू, मुरारी बापू, कृपालुजी, रमेश भाई ओझा, अवधूत शिव योगी शिवानंदजी, श्री श्री रविशंकर, रमेश बाबा-बरसाना , प्रज्ञानानन्दजी-पुरी, काडसिद्धेश्वर स्वामी- कनेरी मठ, कोल्हापुर, राघवेश्वरभारती महास्वामीजी-रामचन्द्रपुर मठ-बंगलोर, प्रेमा साही -हैदराबाद, प्रेमा पांडुरंगा-चेन्नई, माँ आनंदमयी, संत राम रहीम-डेरा सच्चा सौदा, देवराहा बाबा, बड़े सरकार रावतपुरा सरकार-चित्रकूट, गुरुवानन्दजी, संत रामपाल जी, विपश्यना, इस्कॉन।

2. संतो के नाम पत्र पढ़कर सुनाया गया। सब कार्यालय को नाम पते भेजें; कार्यालय से पत्र जायेगा। कोई चाहे तो मंगाकर प्रत्यक्ष भी दे सकता है। सुझाव आया कि उसके साथ दोनों विषय =**शाकाहार वातावरण निर्माण** और **पंचकुल संघ** के बारे में पत्रक हो ।

३. **कौन क्या साधन/साधना कर उसका पुण्य भारत माता को समर्पित करेगा? शिवसेवकजी** - ११ माला "गौं" मन्त्र की। **कुशवाहाजी**-गुरु निर्दिष्ट साधन+हनुमान चालीसा, **झरना**-अग्निहोत्र+सिद्ध साधना। **ललिताजी**-गाय की पूजा+हनुमान-चालीसा, **सुमन**-२ रोटी दान, हनुमान-चालीसा, राम नाम, गोपूजा। **पियूष जोजो, सचिन सेन, चितरंजन मिंज, पिंकु मुंडा, अविनाश जोजो, आदि छात्र** - अग्निहोत्र, सिद्ध साधना, गो-आरती, हनुमान-चालीसा. **नरेंद्र शर्मा** - पक्षी दाना दान, **सत्य नारायण साव** - सारे सद्कर्मो का फल भारत माता को समर्पित। **लालजी**-हनुमान-चालीसा; **निताई** - नवग्रह धूप चेतन, खेती का पुण्य। **रथिन मित्रा** - राम नाम लेखन, गोसेवा, भारत-माता की पूजा, हनुमान चालीसा **मुरारी** - गायत्री मन्त्र का जप, गणेशजी, हनुमानजी का पाठ। **मदनलाल डोकनिया** - गणेश पूजा। **मिश्राजी** – हनुमान-चालीसा, **हरिनाम सिंह** - ५ मिनट-गौमाता के मन्त्र का जप। **ताराकांत**-११ नमामि शमीशान के पाठ। **महेंद्र हंस** - गुणातीत और सारे शुभ कर्म भारत माता को समर्पित। **सुदाम भारती** -अपनी सारी रचनायें। **रंगधर** - ऋषिमुनि गोकुल गुरुकुल में २४ घंटे जो सेवा करता हूँ उसका फल। **सुदर्शन** - १ माला राम नाम, १ माला नवोदित महामंत्र- "**मैं गौरक्षक को वोट दूंगा**", १ हनुमान चालीसा, १ घंटे की विपश्यना साधना।

४) "शाकाहार" पुस्तक का विमोचन और सामूहिक पाठ हुआ। इस पुस्तक का स्थानीय भाषा में अनुवाद करने और इसका अधिक से अधिक प्रचार करने की प्रार्थना की गयी। इसे पढ़कर अनेक व्यक्ति **शाकाहारी** हो सकते हैं।

५) किसप्रकार 'शाकाहार' की प्रेरणा देंगे? - अन्ना - बम्बई में ट्रैन से जाते समय देखा - एक बैल मरा पड़ा था, लोग मांस काट-काट कर ले जा रहे थे, यह दृश्य देख, उसी दिन से **शाकाहारी** हो गया। विनोबा का जीवन कार्य (मिशन) ही विश्व के मानवों को **शाकाहारी** बनाना था। **शाकाहार** महान विषय है। भारत, विश्व को प्रेरित करने वाला देश है। अनेक परिवार और यहाँ तक कि पूरा समाज, मांसाहार मुक्त है। **शाकाहार** विषय पर गहन अध्ययन होना चाहिये कि कैसे सबको **शाकाहारी** बनाया जाये? अनेक स्थानों पर **शाकाहारी** व्यक्ति का भगवान जैसा सम्मान होता है। **रुद्रगुप्त जी** - किसी को कितनी भी प्यास लगे, पेट्रोल/खून नहीं पीता, भूख लगी हो तो नोट, सोना, चांदी, कच्चा मांस नहीं खाता। **पंडित रामस्वरूप** - **शाकाहारी** शब्द के साथ **गव्य** जोड़ दें अर्थात "**गव्य शाकाहारी**" = गोव्रती + शाकाहारी। **सुदर्शन** - सबको पाप पुण्य का बोध है। जैसे जैसे मानवों को बोध होगा कि **शाकाहार** पुण्य है,और मांसाहार पाप है, जो विष से ज्यादा खतरनाक है क्योंकि विष तो केवल एक जीवन समाप्त करता है जबकि मांसाहार अनेक जन्मों में मरने से ज्यादा पीड़ादायक, अनेक दुःख देता है।

६) **किस व्यक्ति को शाकाहारी बनाना आसान है?** - समझदार व्यक्ति को **शाकाहारी बनाना** आसान है, जड़ और मूर्ख व्यक्ति को समझाना कठिन है, किन्तु असम्भव नहीं।

७) **किस राज्य में ज्यादा शाकाहारी/मांसाहारी हैं?-** गुजरात, राजस्थान में ज्यादा शाकाहारी हैं, केरल, नागालैंड में ज्यादा मांसाहारी हैं।

८) **सारे मानव शाकाहारी हो गए तो अन्न-फल-सब्जी सस्ती होंगी या महंगी?** सस्ती होंगी क्योंकि ८०% जमीन और ९०% पानी बचेगा।

९) **कौन-कौन महापुरुष शाकाहारी थे**?- सभी महापुरुष शाकाहारी थे।

१०) **कौन व्यक्ति/संस्था शाकाहार का सर्वाधिक प्रचार कर रही है?** - व्यक्ति - रतन लाल बाफना, संस्था - सर्वोदय विचार परिषद।

११) **कौन-कौन सर्वाधिक शाकाहारी खाना खिला रहा है**? अक्षयपात्र - लाखों बच्चों को, गुरूद्वारे - करोड़ों को, जैन मंदिर, डोंगरेजी महाराज जैसे अनेक संतों के अन्नक्षेत्र। श्री शैलम की धर्मशालाएं, तिरुपति, महाकाल, इस्कॉन, जैन मंदिर,

१२) **शाकाहार : स्वास्थ्य** - शाकाहारी अपेक्षा कृत ज्यादा स्वस्थ और दीर्घायु होता है, जल्दी स्वस्थ होता है।

१३) **शाकाहार : अध्यात्म** - शाकाहारी हुए बिना आध्यात्मिक उन्नति संभव नहीं।

१४) **सभी शाकाहारी हो गये तो कितना प्रतिशत अपराध/महंगाई/बीमारी काम होगी**?-आम राय थी ८०% ।

पंचकुल

१) **किस गौशाला में गए हैं?** - उपस्थित सभी लोगों ने २-४-१० गौशालाओं के नाम बताये जिनमे वे गए थे। पथमेड़ा, कानपुर, कनेरी, सत्यं शिवं सुंदरम-हैदराबाद, जळगाव, अकोला, नागपुर, पुष्कर, अजमेर, नागौर, गया गौशाला, सासाराम गौशाला, सोदपुर, मदनपुर, झुंझुनु , वृंदावन, मालेगांव, नासिक, देवघर, रामदेव बाबा-हरिद्वार, हरिहरानन्द गुरुकुल की गौशाला-पुरी, बेगुसराय, वेदव्यास गौशाला-राउरकेला, बीकानेर, नाथद्वारा, भागलपुर, चोपड़ा गौशाला, कालीगंज, खिल्कापुर, मायापुर, बरुई पाड़ा, बर्धमान, मुंसा ग्राम, सिउड़ी-बीरभूम; गोविन्द गौशाला-रायबरेली, महिपाल गौशाला, गोपाल गौशाला, सावित्री गौशाला-शाहजहांपुर, हरदोई, मेरठ, केरल और तमिलनाडु की २ गौशालाएं, अगरवाल गौशाला-खगड़िया, पंजाब, चंडीगढ़, गोपालमणिजी की गौशाला-देहरादून, ऋषिकेश, लखनऊ, टिटलागढ़, गुड्डा गौरेजी, नौगछिया, दिल्ली, गायत्री गौशाला-बण्डल, दरभंगा, झरिया, कतरास, नेडप काका की गौशाला, देवराहा बाबा की गौशाला,

२) **किस गुरुकुल में गये**? - अपेक्षाकृत कम लोग और कम संख्या में गुरुकुल में गये। गुरुकुल कांगड़ी, कुरुक्षेत्र, चितौड़, देवघर, असम, पूना, बरसाना, चुरू, हरिद्वार-पातंजलि, वेदव्यास, रामराजातल्ला, नाथनगर, पैठन, भारत माता मंदिर, शांतिकुंज, डलमऊ, आबदा, कोलाघाट, खरियार रोड, राम सेना गुरुकुल, ...

३) **किस गौशाला में गुरुकुल भी है, और गुरुकुल में गौशाला भी**?माताजी गौशाला, बरसाना; ऋषिमुनि गोकुल-गुरुकुल, राउरकेला; रामसेना, भारत माता मंदिर, शांतिकुंज, पातंजलि, रामकृष्ण मिशन-देवघर, इस्कॉन-मायापुर। रामराजातल्ला- बंगाल, वेदव्यास-राउरकेला .....

४) **किस गौशाला/गुरुकुल में रोज दोनों समय अग्निहोत्र +हवन होता है?** - ऋषिमुनि गोकुल-गुरुकुल, आर्य समाज के गुरुकुल, कृष्ण साईं मंदिर, शांतिकुंज, पातंजलि, चुरू, पथमेड़ा, कनेरी,

५) **किस गौशाला/गुरुकुल में खेती भी होती है** - अनेक गौशालाओं में खेती होती है, गुरुकुलों में खेती कम होती है।

६) **किस गौशाला में केवल देसी गौवंश है?** अंगुल, फूलमाला गौशाला, कृष्णायन, ऋषि-मुनि गोकुल-गुरुकुल, गोविन्द गौशाला, संत श्री जगनोर जगदीश गोशाला-चोपड़ा, शांतिकुंज, पथमेड़ा, देवलापार-नागपुर, देवघर, दुमका, पतंजलि, बेगूसराय

७) **किस गौशाला में गौवंश खुला रहता है?** पथमेड़ा, जडखोर, माताजी गौशाला-बरसाना, नागा बाबा गौशाला,

८) **किस गौशाला में गौवंश चरने जाता है** – नागा बाबा गौशाला, देवराहा बाबा-मिर्जापुर, देवलापार, चोपड़ा, ऋषि-मुनि गोकुल-गुरुकुल, गोरस (१. लाख गीर गौवंश - १-१ परिवार में १००-२०० गौवंश)

९) **किस गौशाला में बंसी वादन होता है** - गणेश बगड़िया गौशाला, शांतिकुंज, ऋषि-मुनि, अहिंसा तीर्थ-जलगांव, बरसाना

१०) **किस गौशाला में वादय यंत्र बजाने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है?** ऋषि मुनि गोकुल गुरुकुल।

११) **कौन कौन पंचकुल खोलने गौशालाओं, गुरुकुलों, मठों, मंदिरों, आश्रमों से संपर्क करेगा?** सुदर्शन + सभी।

१२) **किस गुरुकुल या गौशाला में पंचगव्य या प्राकृतिक चिकित्सा भी होती है**? दवाईयां तो अनेक गौशालाओं में बनती हैं। किन्तु दुर्गापुरा जयपुर गौशाला में चिकित्सा भी होती है। देवलापार , ऋषि-मुनि, कानपूर, झुंझुनू,

१३) **राउरकेला के पंचकुल को पूर्ण करने क्या क्या आवश्यकताएँ हैं?** बाउंड्री, पानी, बिजली, पक्के+अच्छे मकान, कर्मठ छात्र, अपेक्षा रहित अध्यापक, प्रचार, इन सब कामों के लिये आवश्यक धनराशि।

१४) **कौन कौन राउरकेला पंचकुल को सफल बनाने क्या कर सकता है**? सुदामा भारती, योगेन्द्र, ताराकांत, सुमन-१०० रु; जयप्रकाश और अरविन्द दास - ५० रु, सुदर्शन-पेड़ लगाने १००० रु, श्यामसुंदर हलदर -११०० प्रतिमाह, महेंद्र हंस - बालमुकुंद कादमावाले - ६ भाई हैं, सभी समर्थ हैं, उनसे आर्थिक सहयोग दिलाऊंगा। झरना - कावड़ और **ॐ सुरभ्यै नमः** का जप-१ माला, बच्चे - घर बनाएंगे, कुआँ खोदेंगे, कावड़ से पानी लायेंगे। रंगधर-१ रुद्राभिषेक का पुण्य। सत्यनारायण साव - समय, देवकांत+सुमन -देखने के बाद हर संभव सहयोग।

१६) **कौन सा गुरुकुल/गौशाला आदर्श है=लगभग स्वावलम्बी है**? - भीलवाड़ा, दुर्गापुरा-जयपुर, कानपुर, कनेरी, अहिंसा तीर्थ-जळगाँव, पथमेड़ा, नागपुर, कृष्णायन, जड़खोर, माताजी गौशाला-बरसाना, ऋषिमुनि गोकुल-गुरुकुल, शिवदत्त पांडे का सुल्तानपुर में गुरुकुल+ गौशाला।

१७) **कौन कौन मंदिरों, मठों, आश्रमों, गौशालाओं,गुरुकुलों में पंचकुल खोलने हेतु प्रयास करेंगे?** सभी से प्रार्थना की गयी - सभी प्रयास करें। डाटा केंद्र को भेजें, केंद्र से पत्र जायेगा। जो जब जहाँ जाये - वहां इसकी चर्चा करे। सुमन-झुंझुनू, शिवसेवक-सभी से, निताई-मेदनीपुर, ममता-खगड़िया, मदन जी - बिहार, देवकांत - महाराष्ट्र

१८) **अगला सम्मेलन कब, कहाँ और कितने दिनों का हो? कितनी बार?** १ बार हो, कलकत्ते या राउरकेला में हो, (राउरकेला में तब, जब वहां ५०-१०० लोगों के रहने लायक व्यवस्था बन जाये) ५ या ७ दिनों का हो, ८-१० घंटे केवल चर्चा- हो, आमंत्रण में लिख दिया जाये कि जो समय सारिणी का कड़ाई से पालन कर सके और पूरा समय रह सके वे ही आयें। **अन्ना** - तैयारी पूरी हो, नए लोग जुड़ें, पुराने पक्के लोग अवश्य आयें।

निष्कर्ष :- १) राउरकेला के पंचकुल को पूर्ण करने को प्राथमिकता देना। २) "**मैं गौरक्षक "राम" को वोट दूंगा**" युगानुकूल महामंत्र का अधिक से अधिक जप करना, कराना और प्रचार कैसे हो? विचार करना। ३) **शाकाहार** के साथ **गव्य =गौव्रत** जोड़ना। ४) भोजन के समय राजीव दीक्षित की गौरक्षा संबंधी सी डी बजे। श्री महेंद्र हंस जी ने जिम्मा लिया। **राष्ट्रीय अहिंसा मंच रूपी "राम" को राम-राज्य लाने पांच प्यारे = पांच कार्यकर्ता मिले, जो देश भर में जाने और प्रचार करने तैयार हैं - महेंद्र हंस, सुदामा भारती, रामेश्वर कुशवाहा, जयप्रकाश सिंह, देवकांत चौधरी।**

वक्तव्यों का सार

अन्ना साहब - ईशोपनिषद – जीवन, ईश्वर से भरा है। जो बदलते रहता है, वह जगत है, वह भी ईश्वर से भरा है। वही एक स्वामी है, मालिक है अतः उसे सब कुछ समर्पित करें। समर्पण में शक्ति है। हमारे पास २ चीजें हैं - १ देह, २-आत्मा। आत्मा दिखती नहीं है। सद्गुरु के मिलने से जीवन शुद्ध होता है और आत्मा परमात्मा में विलीन हो जाती है। शुद्धि की कसौटी है - **संतुष्टि**। संतुष्टि तक साधना पहुंचनी चाहिये। **अद्वेष्टा सर्व भूतानाम** - वह किसी से द्वेष नहीं करेगा। द्वेष-दोष से बना है। दोष देखना=द्वेष करना। द्वेष से दुष्ट, मत्सर बना है। गीता के १६ अध्याय के पहले ३ श्लोकों में २६ गुणों का वर्णन है। चौथे श्लोक में ६ दोषों का। असली विकास है - अपने में गुणों का विकास करना। इस जगत की छोटी से छोटी वस्तु में ईश्वर है। हमारे जीवन में गिद्ध वृत्ति न हो। **ईश्वर हमें कर्म करने की प्रेरणा देते हैं**। धर्म=धारण करना। अधर्म=अत्याचार, भ्रष्टाचार। सहिष्णु=सहन करे। अहंकार=मैं, मेरापन, इसी से कर्म चिपकते हैं। दूसरों के धन की अभिलाषा से आलस्य आता है। आलस्य महाशत्रु है। बगैर कर्म के जीवन जीना - जीवन से बेईमानी है। जीवन बोझ, शाप, यातना बन जाता है। फलस्वरूप पाप = अधःपतन होता है। ईश्वर की शक्ति अलौकिक है, तर्कातीत है। ईश्वर ने सबको देह, बुद्धि, मन, हृदय दिया है। देह को स्वस्थ रखें, बुद्धि को स्थिर रखें= स्थितप्रज्ञ=सद्भावना युक्त = **शाकाहारी**। मन को निर्मल और हृदय में ईश्वर को रखें। भारत के ऋषियों ने तीन चीजें खोजीं - १ खेती, २-कपास, ३-गाय। जिसके कारण **शाकाहार** संभव हुआ। गाँव:गांव में, राष्ट्र:राष्ट्र में, यहाँ तक कि मनुष्य:पशु में भी भेद नहीं हैं। सब जीवों का प्रतिनिधि है गाय। गाय को गौमाता कह परिवार में स्थान दिया है। आवश्यक:अनावश्यक ज्ञान का विवेक रहना चाहिये। अनावश्यक ज्ञान से जीवन बर्बाद होता है। जो सब भूतों में आत्मा, और आत्मा में सबको देखता है वह ऊबता नहीं है। जिसकी दृष्टि आत्मा में स्थिर है-वही ज्ञानी है। अंतर्मुखी हो जाओ। हृदय में दोष भरें हैं। उन्हें निकालो और गुणों का संग्रह करो। "**सत्य**" देह से ढका है।

सूर्य मिटटी को पोषण देता है, कल्याण, नियमन, प्रेवर्तन, पालन करता है। इसीप्रकार भगवान प्रेरणा देते हैं, पालन पोषण नियमन, नियंत्रण, निरीक्षण करते हैं। उसके सामने मैं कुछ भी नहीं, फिर भी मैं वही हूँ। देह के कारण काम-वासना होती है, भूख लगती हैं, इच्छा=चाह होती है। यह काम, धर्ममय होना चाहिये। धर्म का तत्व गूढ़ है। खुद जानना होगा। शांति पर्व में २५ यक्ष प्रश्न उत्तर हैं, उन्हें पढ़ना चाहिये। १ प्रश्न है - को दिक् -कौन सी दिशा है? संतो दिक् - संत जिस रास्ते चलें वही दिशा है। ईश्वर पूर्ण है, सुन्दर है, सत्य है। **सोऽहं -** की आमरण साधना करनी है = मैं वैश्य नहीं, ब्रह्म हूँ, मैं भारतीय नहीं, ब्रह्म हूँ। आत्मा की बत्ती बुझती नहीं। सबमे आत्मा है। काला:गोरा, मोटा:पतला, मूर्ख:चतुर, नीतिमान:अनीतिमान, देह-बुद्धि होती है; सब बाहर के भेद हैं। आत्मो सबकी एक जैसी। यह समानता प्रगट होनी चाहिये।

हम किसान हैं तो जमीन भगवान है, हम मेहनत हैं तो बीज भगवान हैं, हम बीज बोने में निमित्त हैं, तो उसे अंकुरित, विकसित, फलित भगवान करते हैं। हम भी पूर्ण, सुन्दर, समृद्ध हो सकते हैं, हमारे और ईश्वर के बीच यह देह का पर्दा है। देह भाव हटाना है, देह भाव ही माया है, मोह है। देह के कारण ही तू-तू - मैं-मैं, होती हैं। स्त्री-पुरुष में भी भेद नहीं है, दोनों में एक जैसी आत्मा =जीव है। आत्मा न नर है, न नारी है। प्रयास करने की भावना ही साधना है, सब ब्रह्म के अंश हैं। भेद बुद्धि = भेद भाव जाना चाहिये। साधना पूर्ण होने पर प्रार्थना बचती है। अग्नि=प्रकाश। हे देदीप्यमान प्रभु ! आप हमें अपनायें=प्रभु के साथ सत्य के साथ अपनापन स्थापित हो। कोई भी चीज अग्नि के संपर्क में आकर शुद्ध हो जाती है। तपने से शुद्धिकरण होता है। **हनुमान के हृदय में राम हैं**, हमारे हृदय में क्या है? हृदय में आत्मा का ज्योति स्वरुप में दर्शन होता है, जिसके सब दोष भस्म हुए उसे। कभी ज्यादा न खायें। कम खाने से ध्यान में एकाग्रता आती है। न ज्यादा जागें, न ज्यादा निद्रा लें। हृदय भाव से भरा हो। आप मेरे हैं और मैं आपका हूँ। आत्मीयता का दायरा फैलते फैलते पूरे विश्व तक जाये। भेद टूटते जायेंगे, आत्मीयता बढ़ती जायेगी। गुणों का सेनापति है- **निर्भयता;** अंतिम गुण है-**नम्रता=विनयशीलता**। तुकाराम और विनोबा ने ३ गुणों को महत्त्व दिया - **दया, क्षमा, शांति**। शांति में ही शक्ति है। दया-हृदय पिघलता है। क्रियात्मक दया ही करुणा है। क्षमा=क्षमता=सक्षमता। गांधी ने २ गुणों को पकड़ा - **सत्य और अहिंसा**। नानक देव ने पूरे विश्व की पैदल यात्रा की। उनके दो ही शिष्य थे १ हिन्दू और १ मुसलमान। उन्होंने एक ओंकार को सत्य समझा।

पंडित राम स्वरुप - पंचकुल अर्थात जहाँ पांच प्रकार के कार्य समन्वित हों। **ऋषिकुल, कृषिकुल (वृक्षकुल) गोकुल, गुरुकुल, और आरोग्यकुल**। ऋषिकुल अर्थात यज्ञ हों; भारतीय संस्कृति का विकास हो। कृषिकुल यानि फल, फूल, अन्न, सब्जी, की खेती हो और वृक्ष लगायें जाएँ। पर्यावरण संतुलन हेतु ६००० पंचायतों की आधी जमीन पर पेड़ लगें। पूर्व में सीता **अशोक** और **पीपल**, पश्चिम में **बड़**, दक्षिण में **आंवला**, और उत्तर में **बेल**। गौशालाओं और गुरुकुलों में **खेजड़ी=शमी=सांगरी** के पेड़ लगें। इसे कल्पवृक्ष भी कहते हैं। गांव के आस-पास कोई पहाड़ी हो तो उसके चारों तरफ ५०-१०० मीटर चौड़ी पट्टी पर जैड़ी बूटी उगाई जाये - **अश्वगंधा(असगंध), सतावरी(नाहरकांटा), यष्टिमधु (मुलैठी), लोध (लोध्र)** . गोकुल में दूध बढ़ाने + नस्ल सुधारने का काम हो। गुरुकुलों में सर्व सम्प्रदाय समादर, वेदानुकूल पांच गुणों का विकास हो - **अभय, निर्विकार, दयालु, न्यायकारी और पवित्रता**। इसी को संविधान, ५ सद्भाव कहता है - **बन्धुता, समता, स्वाधीनता, न्याय और सम्प्रभुता**। योग सिखाया जाये - पातंजलि, प्रेक्षा, विपश्यना, क्रिया योग। **तप, स्वाध्याय और ईशवर प्रणिधान को क्रिया योग कहते हैं।** तप=गर्मी-सर्दी सहना। स्वाध्याय - आत्म निरिक्षण, आत्म आलोचना, अपनी गलती पहचानना। जो सोचता है मेरी गलती नहीं - वह कलह और क्लेश पाता है। आरोग्यकुल = भारतीय विद्याओं से उपचार हो - तुलसी, पंचगब्य, आयुर्वेद, प्राकृतिक, सिद्ध-उपचार, हवन उपचार। **ईशोपनिषद का सार - पूर्ण से पूर्ण मिलता है तो भी पूर्ण रहता है, और पूर्ण से पूर्ण निकल जाए तो भी पूर्ण बचता है**। भारत में प्रतिदिन, प्रति व्यक्ति, २ किलो दूध और १ किलो फल मिलना चाहिये। अर्थात २५० करोड़ ली दूध, और १२५ करोड़ किलो फल की व्यवस्था ३-४ साल में हो सकती है। तब सभी भारतवासी आसानी से **गव्य शाकाहारी** बन जायेंगे। जब सारे भारतवासी **गव्य शाकाहारी** हो जायेंगे तो बीमारियां घटती जायेंगी। अपराध कम होता जायेगा। अध्यात्मिक उन्नति = शरीर-स्वस्थ, मन-में उमंग, चित -प्रसन्न, और बुद्धि-विवेक पूर्ण। **सही आध्यात्म का दरवाजा तभी खुलेगा, जब मनुष्य शाकाहारी होगा**। पहले भारत में कोई भी मांसाहारी नहीं था। ऋषि मुनियों के आश्रम के शेर भी दूध पीते थे। मांसाहार - बाद की विकृति है। मनुष्य कब से मांसाहारी हुआ? इस पर शोध होना चाहिये। जब गौशालाओं और गुरुकुलों में गोबर-गौमूत्र से उत्पाद बनने और बिकने लगेंगे, तभी वे स्वावलम्बी बनेंगे।

हरिहरानन्द गुरुकुल के प्रधान प्रज्ञानानन्द जी महाराज - भारत विश्वगुरु था और शीघ्र पुनः बनेगा। १०० साल पहले योगानंद जी विदेश गये थे। उस समय **शाकाहारी** खाना नहीं मिलता था। आज विश्व के लगभग सभी शहरों में शुद्ध **शाकाहारी** भोजन मिल जाता है। २२ साल से मैं विश्व में घूम रहा हूँ। विदेशों में आयुर्वेद का बहुत प्रचार हो रहा है। इसी प्रकार प्राकृतिक चिकित्सा और योग, ध्यान का भी काफी प्रचार हुआ है। अमेरिका के लगभग हर बड़े शेहर में मंदिर, गुरुद्वारा या आश्रम है। विश्व को भारत से अनेक अपेक्षायें हैं। केवल भारत में भूमि, नदियों, गौ और प्रकृति को माँ कहते हैं। **शाकाहार** भारत का दर्शन है। धार्मिक लोग मंदिर जाते हैं। अपनी मनोकामना पूर्ति के लिये विश्व के मालिक को पैसा चढ़ाते हैं। हम लोगों ने उन्हें रिश्वतखोर बना दिया है। गाँवों में मनरेगा और १ रु में चावल के कारण लोग आलसी बनते जा रहे हैं। कोई परिश्रम करना नहीं चाहता। राजनीती वाले भोले भाले लोगों को मांसाहार करा रहे हैं, शराब पिला रहे हैं। वजन से गौवंश बिक रहा हैं। हमलोग ४८० छोटे बच्चों को पढ़ा रहे हैं। १ कक्षा में ४० बच्चे हैं। हमारे पास खेती है। गौशाला है। बड़े बच्चों के लिए ३-४-६ माह के सत्र लगते हैं। कॉलेज के विद्यार्थियों के ७ दिन के भी शिविर लगते हैं। उन्हें, **शाकाहारी** भोजन मिलता है साथ ही हमारी संस्कृति, स्वास्थ्य, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद की जानकारी दी जाती है। हमलोग हर जिले में ३-४ जगह "**सुरभि सत्संग**" का आयोजन कर रहे हैं। **जगन्नाथ महाप्रभु का प्रसाद,** हजारों साल से मिटटी के बर्तन में बन रहा है। जो लकड़ी अन्य काम में नहीं आती, उसे ही जलावन के रूप में जलाया जाता है। **गौ-आधारित कृषि, और अखण्ड भारत होने वाला है।** अंधानुकरण बंद होगा और पारम्परिक विद्या का पुनरुत्थान होगा।

स्वामी समर्पणानन्द : ९४३७०२४६६४ - योग हमारी आत्मा है, जीवन है, योग नहीं तो भोग, रोग और मृत्यु है। भारत योग की जन्मभूमि है। योगाभ्यास से परिवार, समाज और राष्ट्र सुरक्षित होगा। रात सोते समय हम सब **स्वाभाविक सांस** लेते हैं - वही **क्रियायोग** है। आँख खोलते ही सांस बिगड़ जाता है। विश्वास = विशेष रूप में स्वाँस जो **शाकाहारी** नहीं, वह विश्वस्नीय नहीं। पिता के पिता, जैसा जीवन जीते थे, वैसे जीना, संस्कृति है। उस ज़माने में सिगरेट, शराब, दवा की दुकाने नहीं थीं। क्योंकि सभी स्वस्थ थे। प्रति व्यक्ति दवा का खर्च हमारे जन्म के समय कितना था और आज के जन्मते बच्चे का कितना है? खांसी बुखार आदि को मातायें अपने अनुभव से चौके के मसालों से ठीक कर देती थी। योगाभ्यासी, स्वतः शाकाहारी और गौप्रेमी होता है। योगाभ्यास के लिये गाय का दूध अमृत सामान है। आहार अच्छा तो मन अच्छा। क्रिया योग क्या है? क्रि =**आत्मा** शक्ति देता है। हमलोग केवल **देह** को भोजन देते हैं, **मन और आत्मा** को आहार नहीं देते। क्षुधित मन कुछ भी कर सकता है। मन का आहार है - भजन, कीर्तन, कथा सुनना या सुनाना। उससे हमारे विचार शुद्ध होते हैं। **आत्मा का आहार है - "ध्यान"**; जैसे "**स्वांस आधारित ध्यान" आत्मा का भोजन है**; इसी प्रकार "**गौ आधारित कृषि" में भारत का कल्याण है**। जब कोई मंदिर, आश्रम, साधु, धर्म, ग्रन्थ नहीं था तो भी सांस थी. प्राणों का आधार है सांस। तप-स्वाध्याय- ईश्वरप्रणिधान - क्रिया योग है। तप=ध्यान। स्वाध्याय=मैं कौन हूँ? जो मेरा है, वह मैं नहीं। मैं आत्मा हूँ, ब्रह्म हूँ, शरीर या मन नहीं।

आत्मा की पहचान है सांस। जन्मते ही पहला काम - हम सांस लेते हैं और छोड़ते है। शरीर , मन और आत्मा- तीनो को समझना है। शरीर = मांस, खून, हड्डी, चमड़ी। मन=सूक्ष्म शरीर। आत्मा=परमात्मा का अंश। भारतीय जीवन गुरुमुख जीवन=गुरु शरणागत जीवन है। गुरुमुख=गुरुद्वार। कृष्ण भी सन्दीपनी के गुरुकुल में विद्या सीखने गए थे। कर्म, भक्ति और ज्ञान का समन्वय, क्रिया योग है। **मन का आत्मा से योग - क्रिया योग हैं। उत्तम कर्म में लगे रहना - क्रिया योग है।**

श्री गुरुचरण जेना - २० साल से भुवनेश्वर में बिना दवा के ईलाज कर रहा हूँ। हम सब, स्वयं अपना इलाज कर सकते हैं। शरीर भी मिट्टी, पानी, हवा, आकाश और अग्नि से बना है। जैसे पृथ्वी वैसे ही शरीर का ३ भाग पानी है और १ भाग मिटटी है। ५ चीजों का सेवन करें – **अंकुरित अन्न, मूंगफली, दलिया, सलाद और फल**। पत्ते के रस में तुलसी और दुर्वा का रस, श्रेष्ठ है। १००० युवक मुझसे यह विद्या सीख कर, लगभग १००० रु प्रतिदिन कमा रहें हैं। जिस लड़की के पास ५०० रु भाड़ा देने के लिये नहीं था, उसने ३ तल्ले का पूरा मकान खरीद लिया। प्राकृतिक चिकित्सा से बुखार १ दिन में और दमा १० दिनों में ठीक हो सकता है। **१ गुणा भोजन, २ गुना पानी, ३ गुना कसरत, और ४ गुना हंसो। आनंद ही ब्रह्म है।** दुःख आया- भगवान की इच्छा से आया। यह रंगमंच है। और **५ गुना भगवान का जप करो।** स्वस्थ रहने लिये हमें ५ काम करने होंगे - **५ बजे उठ जाना** चाहिये, **५ गिलास निवाया पानी पीयें। ५ किलोमीटर घांस पर नंगे पाँव चलें**; **खाने में ५ घंटे का अंतर हो** (सूर्यास्त के बाद मत खाओ)। **बीमारी मुख्य कारण है-पेट का साफ़ नहीं होना**। रात के भोजन को जितना जल्दी कर सको करो। सब्जी ज्यादा, रोटी -१। गांधीजी भी अस्वस्थ चलते थे। अपने पर प्रयोग करते करते प्राकृतिक चिकित्सक बन गए। वे चाहते थे - **भारत के हर गाँव में प्राकृतिक चिकित्सा का हॉस्पिटल हो** और सारे भारतवासी खादी पहने। **सोने के ४ घंटे पहले खाना खा लो**। प्राकृतिक चिकित्सा = प्रकृति माँ की गोद में जाना है। **५ चीजें नहीं खाना है १ - मैदा = बिस्कुट, पावरोटी ; २ चीनी** = सफ़ेद जहर; क्योंकि हजम नहीं होती, हड्डी कमजोर करती है। चीनी की जगह गुड खायें। **३- नमक** =समुद्र नमक; **४ - तेल** - सब रोगों का कारण है - अक्सर आयातित या चर्बी को रिफाइन कर के या पामोलिन तेल बाजार में मिलता है. इसकी जगह रामदेव बाबा का सरसों, तिल, बादाम का या अपने सामने पेरवा कर निकाला गया तेल प्रयोग करें, केवल १० ग्राम प्रतिदिन। **५ - चावल**। रात को भूख लगे तो पानी पी लें, फल खा लें। **उपवास में बहुत शक्ति है**। शरीर का सारा कचरा निकल जाता है। गाय, कुत्ता, जानवर बीमार होने पर उपवास कर स्वस्थ हो जाते हैं। १० बजे सो जायें। गाय का दूध अमृत है, किन्तु प्लास्टिक पैकट का दूध जहर है। घुटने का दर्द होने पर आलू से सेक करें। मैथी रात में भिगो दें, सुबह चबा कर खायें। १०० रोगों की दवा है - रात को खाना बंद। भुवनेश्वर के पास २० एकड़ में गौशाला का निर्माण होगा। २०१७ तक बहुत कुछ हो जायेगा। खाने के बाद या बीच में पानी पीने से गठिया हो जाती है। खाने के डेढ़ घंटे बाद पानी पीना चाहिये। गर्म दूध या छाछ, ले सकते हैं, क्योंकि वह पचाने में सहायक होता है। पाद या दस्त में बदबू हो तो सावधान। खाना नहीं पच रहा है। चूरन, एनिमा, या गर्म दूध लेकर पेट साफ़ करें।

स्वामी कृष्णानंद हरिहरानन्द गुरुकुल के गौरक्षा प्रमुख - (९७७६२१७५७१) हम लोग गाँव गाँव जाकर प्रचार कर रहें हैं। छात्रों को प्रशिक्षण देते हैं। प्रोफेसरों का सम्मेलन बुलाते हैं। **सुरभि मन्त्र का जप करते और कराते** हैं और फल गौमाता को समर्पित करते हैं। स्वार्थ का त्याग करने से ही गौसेवा कर पायेंगे। कृष्ण भगवान कहते हैं-गायें मेरे आगे हैं, गायें मेरे पीछे हैं, गायों के मध्य में मैं रहता हूँ। **पहला काम है गोव्रती बने**। देसी गौ को पहचाने, जिसके कुक्कद, गल-कम्बल, और सींग होता है वह देसी गौवंश है। जगत का सार, गाय है। वह जीवन बेकार है, जिसे गौवंश से प्रेम नहीं।

गौकथा वाचक, रायबरेली के शिवसेवक शर्मा - ९३३६००३८७३ -सतयुग में सभी **शाकाहारी** थे। समुद्र मंथन से ५ गौ प्रगट हुई। सारी ऋषियों को दे दी गयी। अगर २ गौवें राक्षसों को दे दी जाती तो मांसाहार की समस्या ही पैदा नहीं होती। वधिक हर जाति में होते हैं, किन्तु उनका सम्मान नहीं होता, उन्हें गाँव के बाहर बसाया जाता है। **गाँव-गाँव गौधाम बनेंगे, कृषक भगवान बनेंगे**। हर गाँव में थोड़ी या बहुत गोचर भूमि है। उस भूमि पर गौमाता के रहने की सुव्यवस्था की जाये, वहां नवग्रह धूप, खाद, कीटनाशक आदि बनने लगे, सभी ग्रामवासी वहां आकर १ या अधिक घंटे गौसेवा करने लगे तो सारी गायों को बचाया जा सकता है। बच्चों-बूढ़ों को उस गौशाला में दूध पीने को मिले, और युवकों-जवानों को मट्ठा - छाछ। गौपूजा और गौ आरती हो। गाय की प्रतिमा हर गौशाला - मंदिर में स्थापित हो। **"ॐ सुरभ्यै नमः"** का १ लाख मन्त्र कोई जप ले तो उसकी वाणी सिद्ध हो जाती है। वह जो बोलता है वह हो जाता है।

गौछत्र साम्राज्य यात्रा के प्रधान, हैदराबाद के रूद्रगुप्त पादाचार्य - ७७०२३५५५५१ - गौछत्र साम्राज्य यात्रा हेतु ६४० जिलों को ६४ जोन में बांटा है। १ जोन में १० जिले आयेंगे। व्हाट्सऐप के माध्यम से लोगों को जोड़ रहें हैं। आप अपना पर्चा दीजिये, गौशालाओं को पंचकुल खोलने भी प्रेरित करूँगा। इस यात्रा का उद्देश्य है कि हर गौशाला में पंचगव्य उत्पाद बने ताकि सभी गौशालाएं स्वावलम्बी हो जायें। गौशालाओं का आस पास के किसानों से संपर्क स्थापित करवाना है ताकि खाद आदि की खपत हो जाये। निस्वार्थ भाव से जो इस महत्वपूर्ण कार्य से जुड़ना चाहता है - वह मुझसे संपर्क कर सकता है। देसी गाय के घी को हवि कहते हैं। क्योंकि यही हवन करने योग्य सर्वश्रेष्ठ सामग्री है। **शाकाहार देवताओं का भोजन है, जबकि मांसाहार - राक्षसों का। शाकाहारी** रहने से ही मंत्र काम करते हैं, **शाकाहारी** जो कहेगा वह होगा - ऐसा मेरा अनुभव है।

इस कार्यक्रम के लिये सर्वाधिक मेहनत करने वाले, १० दिन पहले आ कर पूरी के आश्रमों, संस्थानों से संपर्क करने वाले, ऋषि अरविन्द के शिष्य, हरियाणा के श्री महेंद्र हंस - ९८९६०२२६९३ - बच्चों का बचपन कृष्णमय बनाना है, उन्हें संस्कार देने हैं ताकि वे हमेशा सच बोलें। भारत-माता को अपने शुभ कर्मो का फल समर्पित करते रहें। सीमांत गांधी- खान अब्दुल गफ्फार खान की कविता सुनायी - "**शीश भले कट जाये, पर गाय नहीं कटने देंगे**"; **"चन्दन है इस देश की माटी, तपोभूमि हर ग्राम है, हर बाला देवी की प्रतिमा, बच्चा बच्चा राम है**", हनुमान चालीसा आदि अनेक गीत, भजन प्रस्तुत किये। सभी संत गौरक्षा चाहते हैं। उनसे प्रार्थना करने पर प्रदेश के विधानसभा चुनावों हेतु वे १०-२० शाकाहारी, सदाचारी, गौभक्त, देशभक्त प्रत्याशी **"राम"** को दे सकते हैं। यथा गुरुशरणानंदजी, रमेश-बाबा, नागा-बाबा, राजेंद्रदासजी, शंकरदेवजी, आत्मयोगीजी, नारायणगिरीजी, पुरुषोत्तम तोषनीवाल, कानू जालान, केशरीजी, तुमुल विजय, संत अनन्तानन्त, संत दयाशंकर, आजादी बचाओ आंदोलन, माँ नीलिमा आदि। उ प्र के अन्य संतो और संगठनो से भी संपर्क किया जा सकता है। **भुवनेश्वर के रजनीकांत** - मानव मांसाहारी प्राणियों से निश्चित ही भिन्न है। न आध्यत्मिकता, न मानवीयता, न वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मांसाहार मानव के लिये उपयुक्त है। कर्म को रोका जा सकता है, कर्म-फल को नहीं। **वृंदावन के संत अजय कृष्ण गोस्वामी** 9401805553 - पहले गौभक्तों + देश भक्तो को गौमाता और भारत माता के साथ अपने दीर्घ + स्वस्थ जीवन के लिये **शाकाहारी** होना चाहिये। लगभग २०० पंजीकृत संस्थाएं गौरक्षा+देश रक्षा के क्षेत्र में काम कर रही हैं। उनमे समन्वय स्थापित हो; उनमे कोई सर्वमान्य व्यक्ति उभर कर आये, जो सबको एकजुट कर सके। मांस निर्यात की जगह फल-फूल, सब्जी-अन्न, गोबर की खाद + अन्य उत्पाद निर्यात होने चाहिये। मांस निर्यात से देश और देशवासियों को कितनी क्षति पहुँच रही है, किसी को भारत सरकार के विरुद्ध केस करना चाहिए। **पुरी के संघ प्रमुख वामदेव नायक - ९३३८०९१२९८** - हरिहरानन्द गुरुकुल वाले अगर आमंत्रित करते तो काफी लोगो आते। **पुरी** से यह स्थान दूर है, यह कार्यक्रम अगर पुरी शहर में होता तो ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सकते थे। **पुरी के जगन्नाथ मंदिर के सामने सत्याग्रह करने वाले, कानून के बल पर गौरक्षा करने वाले, क्रान्तिकारी गौभक्त वकील श्री शशांक शेखर** - ९८६१०८५१८२ - ने अन्ना को जगन्नाथ के दर्शन कराये, स्टेशन छोड़ा और गणेश वंदना प्रस्तुत की। पुरी के शिवानंद आश्रम प्रधान **श्री जित मोहन दास जी महाराज** थोड़ी देर के लिये पधारे। उन्होंने यह तो हमारा ही काम है - कह कर उत्साह बढ़ाया। सफलता का आशीर्वाद दिया। सर्वोदय की तरफ से उन्हें देसी गौ का घी भेंट में दिया गया। हरिहरानन्द गुरुकुल के गौशाला की देखभाल करने वाले **श्री ध्यान निष्ठानन्दजी** भी एक सत्र में पधारे।

आर्थिक विवरण - प्राप्ति - पुरुषोत्तम एजेन्सीस-११०००, वासुदेव रमसेसरिया चैरिटेबल ट्रस्ट-११०००, प्रहलाद गोयनका-५०००, दिनेश चौधरी -२१००, ओमप्रकाश मस्करा-२१००, विनोद फुमरा-२१००, अजय डाबरीवाल-२०००, ललित चौधरी-२०००, सुदर्शन-१५००, रामेश्वर कुशवाहा-११००, मनोज लाहोटी-११००, सुमन मुरारका-१०००, श्यामसुंदर हलदर-१०००, देवकांत चौधरी १०००, प्रेमचंद जैन-१०००, प्रबीर दास-५००, नंदू टाइवाला-५००,=**कुल-४६०००**

खर्च- हरिहरानन्द गुरुकुल-२५०००, रेल किराया =अन्ना+१ =२५००, पंडितजी + कलकत्ता टीम ७९७२, गुरुकुल के छात्र -८०००, हवन, समर्पण, प्रसाद हेतु घी - ७८००, बैनर -४१००, रास्ते भोजन २०९३, प्रसाद + फल - ३७५२, पाउडर दूध+आयुर्वेदिक चाय १२७५, कलकत्ता टैक्सी, पुरी में ऑटो, + बस भाड़ा - ३३४८, कोरियर-९६२, कागज+छपाई - ९५०, हवन दक्षिणा-५००, आर्य समाज भाड़ा -२०० = **कुल = ६८४५२**। **व्ययाधिक्य - २२४५२** ।